प्रेस विज्ञप्ति

(दिनांक 13.08.2021)

यूपीनेडा के शोध एवं विकास केन्द्र देवा रोड, चिनहट, लखनऊ परिसर में देश की पहली सुपर ऊर्जा दक्ष भवन का आज भूमि पूजन एवं शिलान्यास श्री आलोक सिन्हा, कृषि उत्पादन आयुक्त तथा अपर मुख्य सचिव ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्त्रोत विभाग, उ0प्र0 शासन के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। उन्होने बताया कि यह सुपर ऊर्जा दक्ष भवन यूपीनेडा की अच्छी पहल है। आज के आधुनिक जीवन में सस्टेनेबिल विकास का महत्व है, यह भवन इसका उदाहरण है। इस भवन मे विन्ड टावर का उपयोग किया जा रहा है जिससे ढण्डी हवा अंदर आये तथा गर्म हवा बाहर निकले जिससे एअर कंडीशनर पर निर्भरता कम होगी। उन्होने यह भी कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में भी ऊर्जा दक्ष भवन निर्माण की जानकारी हेतु बुकलेट तैयार कर वितरित कराई जाये। अपर मुख्य सचिव महोदय ने यह भी कहा कि प्रदेश के वास्तुविद (आर्किटेक्ट) को ऊर्जा दक्ष भवन के बारे में प्रशिक्षित किये जाने हेतु इस परिसर में प्रशिक्षण शिविर आयोजित करते हुए उन्हें प्रमाण पत्र दिये जायें।

निदेशक, यूपीनेडा श्री भवानी सिंह खंगारौत ने इस भवन की विशेषताओं पर चर्चा करते हुए कहा कि इस ऊर्जा दक्ष भवन में सामान्य भवनों की तुलना में 5 प्रतिशत अधिक धनराशि व्यय होगी जिसका पेबैक पीरियड 5 वर्ष होगा।

सचिव, ब्यूरो आफ एनर्जी एफिशिएन्सी, भारत सरकार श्री आर0के0 राय इस कार्यक्रम में वर्चुवल रूप से उपस्थित थे। उन्होने बताया कि सुपर ऊर्जा दक्ष भवन के निर्माण हेतु कई प्रदेशों को स्वीकृति दी गयी है परन्तु यूपीनेडा ने इसकी पहल करते हुए आज इसका शिलान्यास भी करा दिया। उन्होने यह भी बताया कि ऊर्जा दक्ष भवन में सामान्य भवन के तुलना में 25 प्रतिशत तथा सुपर ऊर्जा दक्ष भवन में 50 प्रतिशत तक ऊर्जा की बचत होती है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री अशोक कुमार श्रीवास्तव प्रभारी, यूपीएसडीए ने बताया कि 3 वर्ष पूर्व महानिदेशक, बीईई ने इस स्थल का निरीक्षण करते हुए इसे ऊर्जा दक्ष भवन हेतु उचित पाया था। ईसीबीसी प्रभारी श्री रामकुमार ने इस भवन की विशेषताओं एवं लाभ के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर यूपीनेडा के जनपदीय एवं मुख्यालय के अधिकारी, राजकीय निर्माण निगम के अधिकारी, भवन से सम्बन्धित कंसलटेन्ट एवं आर्किटेक्ट आदि उपस्थित थे।

सचिव, यूपीनेडा, श्री अनिल कुमार ने अपर मुख्य सचिव, सचिव, ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएन्सी एवं सभी उपस्थित अतिथियों का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया गया।